Library

School of Planning and Architecture, Bhopal

S.No.02 November,2021

स्वदेश 24/11/2021

स्वदेश

हिमालयी क्षेत्र की वास्तुकला में स्थानीयता की झलक

मानव संग्रहालय में लोकरुचि व्याख्यान

स्वदेश संवाददाता, भोपाल

हिमालयी क्षेत्र की वास्तुकला में वहां की जलवायु के साथ ही स्थानीय परंपरा औ संस्कृति की झलक दिखाई देती है। यह कहना है अहमदाबाद से आये वास्तुकार जय ठक्कर का। वे आज मानव संग्रहालय में लोकरुचि व्याख्यान के तहत 'हिमालयी वास्तुकला: इसकी भव्यता और महत्व' विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता संग्रहालय के निदेशम डॉ. पीके मिश्र कर रहे थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्च र के निदेशक प्रोफेसर एन. श्रीधरण थे। विषय पर मानसी शाह ने भी वक्तव्य दिया। प्रो. ठक्कर ने आगे कहा कि काठ-खुनी हिमालयी वास्तुकला की समृद्ध प्रणाली है। इसमें वैज्ञानिकता भी है। तभी इस प्रणाली से बनी इमारतें भूकंप से भी प्रभावित नहीं होती हैं। मानसी शाह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में पारम्परिक भवन निर्माण प्रणाली काठ-खुनी हिमाचल प्रदेश में 2005 से 2011 तक किये गये व्यापक क्षेत्र कार्य अनुसंधान, विश्लेषण और प्रलेखन का परिणाम है। आरंभ में प्रोफेसर जय ठक्कर और मानसी शाह का स्वागत एवं परिचय डॉ. सूर्य कुमार पाण्डेय ने दिया।